फेल होने के बाद किया टॉप

सिद्धार्थनगर के स्लम में हनेवाली दीपाली शिर्के पिछले साल एसएससी बोर्ड में मैथ्स में फेल हो गई थी। उसने नाइट स्कूल में एडमिशन लिया और इस साल 85.3 प्रतिशत अंक लेकर वह नाइट स्कूल में टॉप पर रही

17 वर्षीया दीपाली दिखने में किसी आम मराठी बालिका जैसी ही है, लेकिन जिस तरह उसने हार को जीत में बदलकर दिखाया है, वह काबिल-ए-तारीफ है। 'पिछले साल मराठा मंदिर स्कूल में थी। दसवीं बोर्ड में फेल हो गई, तो नाइट स्कूल में एडमिशन ले लिया। ताकि पढ़ाई करने का समय मिले। पिछली बार गणित में केवल 26 मार्क्स आए थे और इस बार 141 मिले हैं। सब टीचर्स की मेहनत का परिणाम है' खालिस मराठी में कहती है

मिसाल

दीपाली।

वर्ली के आगरकर नाइट स्कूल से एग्जाम देनेवाली दीपाली को पता भी नहीं था कि इस साल उसकी किस्मत इस तरह चमक उठेगी कि फेल्योर कहनेवाले भी वाह कह उठेंगे। अब दीपाली को इंतजार है 9 अगस्त का, जिस दिन जूनियर कॉलेज की जनरल लिस्ट घोषित होगी।

'मार्क्स अच्छे हैं इसलिए सामान्य कॉलेज में पढ़ सकती हूं। कॉमर्स लेना चाहती हूं और आगे होटल मैनेजमेंट पढ़ना चाहती हूं' कहना है दीपाली का। 'मेरी सफलता का श्रेय 'मासूम' को जाता है, जिसने वर्ली के इस नाइट स्कूल को गोद ले रखा है। स्कूल के टीचर्स, लैब, लाइब्रेरी जैसी सुविधाओं की वजह से मैं इतना अच्छा परफॉर्म कर पाई। मासूम मुझे आगे पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप भी दे रहा है,' कहना है दीप सी जगमगाती दीपाली का।